

**PREVAIL** : To prove the stronger : (1) अभि-  
भवति ( भू, c. 1. : with acc. ), *that insanities p.  
over men like you* : यद्वाद्वाः प्रमादैरभिभूयन्ते, K. ;  
(2) अतिरिच्यते : v. To excel. II. To be cur-  
rent : expr. by adj. : प्रबल ( f. ला ), प्रचल ( f. ला ),  
or प्रभूत ( f. ता ) : v. Prevalent. III. With  
on, upon, or with, to persuade, induce :  
q.v. : अनुनीय प्रवर्तयति ( c. of वृत् ).  
**PREVAILING** (adj.), **PREVAILINGLY** : v. Preva-  
lent, prevalently.  
**PREVALENCE** : (1) प्रबलता ; प्रचलता ; (3)  
आधिक्यम् : v. Below.  
**PREVALENT** : (1) प्रबल ( f. ला = predominant ) ;  
(2) प्रचल ( f. ला current ) ; (3) बहुल ( f. ला =  
abundant ) ; (4) साधारण ( f. णी = common ) :  
v. Those words.  
**PREVALENTLY** : (1) बलवत् ( = forcibly ) ; (2)  
बहुलम् ( = abundantly ) ; (3) साधारण्येन ( = com-  
monly ).  
**PREVARIGATE** : (1) अप-लपति ( लप्, c. 1. ) ; (2)  
निह्नुतुमिच्छन् ( f. न्ती ) मिथ्योत्तरं ददाति, see Mu.  
i. 1.  
**PREVARIGATION** : (1) अपलापः ; (2) निह्नवः ;  
(3) better by circumlo.  
**PREVARIGATOR** : (1) अपलापिन् ( f. नी ) ; (2)  
निह्नववादिन् ( f. नी ) ; (3) by circumlo.  
**PREVENT** : (1) निवारयति, प्रति-, विनि-, ( वृ, c.  
10. ), *p. ing the entrance of all attendants* :  
निवारिताशेषपरिजनप्रवेश ( f. शा ), K. ; (2) अव-  
रुद्धि ( रुध्, c. 7. ) ; (3) निषेधति ( सिध्, c.  
1. ) : v. To prohibit.  
**PREVENTION** : (1) निवारणम् ; (2) अवरोधः ; (3)  
निषेधः, प्रतिषेधः.  
**PREVENTIVE** : (1) by verb ; (2) -हर ( f. रा )  
in comp., *p. of disease* : रोगहर ( f. रा ) ; (3)  
-घ्न ( f. घ्नी = killing, destroying ) in comp.  
**PREVIOUS** : पूर्व ( f. र्वा ) : v. Former, preced-  
ing.  
**PREVIOUSLY** : पूर्वम् : v. Formerly. *P. to* : v.  
Before.  
**PREVISION** : expr. by पूर्व पश्यति ( दृश् c. 1. = to  
see ) : v. Foresight.  
**PREY** (subs.) : आमिषम्, *became the p. of the*

*enemies* : द्विषामामिषतां ययौ, R. xii. 11. (*Beast*  
*of p.* : आमिषाशिन ( m. ) or मांसादः.

**PREY** (v.) : I. Lit. : आमिषं गृह्णाति ( ग्रह्, c. 9. )  
मक्षयति ( मक्ष्, c. 10. = to eat : q.v. ). II. Fig.,  
to pillage, rob : q.v. III. Fig., to vex,  
waste : प्र-बाधते ( बाध्, c. 1. ).

**PRICE** (subs.) : (1) मूल्यम्, *at what p.* : कियता  
मूल्येन, P. ; *we have been cruelly fixed by you as*  
*the p. of these (ornaments)* : कल्पिता मूल्यमेतेषां  
कूरेण भवता वयम्, Mu. v. 17. ; (2) अर्घः (rare),  
*at a very low p.* : लघीयसार्धेन, D. iii.

**PRICE** (v.) : (1) मूल्यं स्थिरीकरोति or कल्पयति ( c. of  
कृप् ). (2) to have price, or be p.d : अर्घति  
( अर्घ्, c. 1 ; rare ), *gems have no p.* : नार्घन्ति  
रत्नानि, P. i. 1.

**PRICE-CURRENT** : पण्यमूल्यनिर्घण्टः ( ?? ).

**PRICELESS** : (1) अमूल्य ( f. ल्या ) ; (2) अनर्घ ( f.  
र्घा ) ; (3) अनर्घ्य ( f. र्घ्या ).

**PRICK** (v.) : I. To puncture : q.v. : विध्यति  
( व्यध्, c. 4. ). II. To goad : q.v. : तुदति  
( तुद्, c. 5. ). III. Fig., to sting : (1) विध्यति ;  
(2) तुदति, Rām. ii. 11. 24. Ph. : *with p. ed*  
*up ears* : स्तब्धकर्ण ( f. र्णा ), H. ii.

**PRICK** (subs.) : I. Puncture : वेधः, -नम्. II.  
A goad : q.v. : प्रतोदः. III. Stinging pain :  
(1) दंशः ; (2) यातना. IV. A mark : लक्ष्यम्.

**PRICKLE** : (1) शूक ( mn. ) ; (2) कण्टक ( mn. =  
thorn ).

**PRICKLY** : (1) शूकिन् ( f. नी ) ; (2) शूकवत् ( f.  
ती ) ; (3) कण्टकिन् ( f. नी = thorny ).

**PRIDE** (subs.) : I. In good sense : (1) मानः,  
अभि- ; (2) मानिता. II. In bad sense : (1)  
अहङ्कारः ; (2) दर्पः ; (3) गर्वः ( best equiv. ),  
*whose p. used to look down on the world as*  
*straw* : तृणमिव परिभूतो यस्य गर्वेण लोकः, Ve. v.  
III. Ornament : q.v. : अलङ्कारः *the p. of the*  
*heaven* : अलङ्कारः स्वर्गस्य ( सा नः प्रियसखी..... ),  
V. i.

**PRIDE** (v.) : expr. by subs. or adj., *you p. your-  
self without conquering me* : मामजित्वैव दर्पः, Ve.  
v. ; *Gauri, who p.s herself in her beauty* : रूप-  
गर्विता श्रीगौरी, V. i.

**PRIEST** : I. Family : (1) पुरोहितः ; (2) पुरोषस